हैरी का खच्चर

लेखनः बारबरा एन पोर्ट

चित्रः यूसी अबुलोफिया

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

हैरी का खच्चर

लेखनः बारबरा एन पोर्ट

चित्रः यूसी अबुलोफिया

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा

डैबरा और रसल के लिए

- बी.ए.पी.

एवी के लिए

- वाय.ए.

मैं हैरी, एक खच्चर का मालिक हूँ।

उसे मैंने एक प्रतियोगिता में जीता थाः

पचास या उससे कम शब्दों में

बताएं कि आपको जैम पॉप्स

कितने अच्छे लगते हैं।

हर प्रविष्टि के साथ जैम पॉप्स

के डब्बों के पाँच ऊपर वाले हिस्से

और दस बगल वाले लेबेल ज़रूर भेजें।

मैंने यह लिखा था:

मैं हैरी हूँ। मुझे जैम पॉप्स बेहद पसन्द हैं।
मेरे पापा को भी।
पापा अपने पॉप्स टोस्टर में डाल कर गरम करते हैं।
मैं अपने तले अण्डों में डुबाता हूँ।
पर सिर्फ उनकी ज़र्दी में।
मैं उसे डिप्सी डूडल कहता हूँ।
“अपने दाँत माँजना
मत भूलना,”
नाश्ते के बाद पापा कहते हैं।
वे दाँतों के डॉक्टर जो हैं।
मेरे दाँतों में अब तक कीड़े नहीं लगे हैं।

“यिप्पी!” मैं चीखा।

“मैंने प्रतियोगिता जीती है।”

पापा मरीज़ों का इलाज करने वाले

कमरे से अपना सिर बाहर निकालते हैं।

“यह शोरगुल किसलिए?” उन्होंने पूछा।

मैंने उन्हें अपना ख़त दिखाया।

''प्रिय हैरी मॉस्कोवित्ज़ः

बधाई हो!

आपकी प्रविष्टि ने जैम पॉप्स प्रतियोगिता में

पहला स्थान पाया है।

पहला इनाम एक खच्चर है।

अपना इनाम पाने के लिए

कृपया 1-800-123-4567 पर सम्पर्क करें . . .''

तब नीचे छोटे अक्षरों में लिखा थाः

''जीतने वाला चाहे तो

इसके बदले एक साइकिल भी ले सकता है।''

''बधाई हो!'' पापा ने कहा।

''एक नई साइकिल से

बढ़िया कुछ नहीं हो सकता।''

''शुक्रिया,'' मैंने कहा,

''पर अगर आपको फ़र्क न पड़े,

तो मैं एक खच्चर ही लेना चाहूँगा।

साइकिल तो मेरे पास है ही।''

"*माज़ेल तोव!*" पापाने कहा।

जिसका मतलब होता है, मुबारक हो!

"अब तुम्हारे पास दो-दो साइकिलें होगी।"

मुझे डर था कि वे यही कहेंगे।
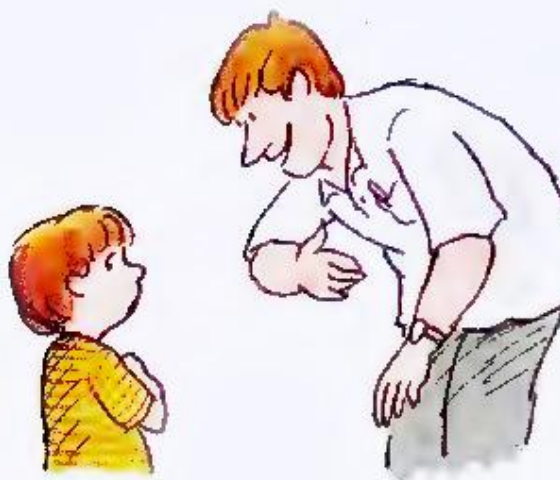
"बिलकुल सही," मैंने जवाब में कहा।

"वह घर में नहीं रहेगा।

उन्हें वैसे भी बाहर रहना अच्छा लगता है।"

मैंने जवाब में कहा।

"बेशक, पर बाहर से मतलब है गाँव में,"

पापा ने कहा।

"हम उपनगर में रहते हैं

और यहाँ इलाके के नियम लागू हैं,

उनमें लिखा है, 'खच्चर नहीं,'' पापा ने जोड़ा।

इतना कह पापा अपने कमरे में वापस लौट गए।

"प्लीज़, प्लीज़, प्लीज़," मैंने चिरौरी की।

"मुझे हमेशा से एक खच्चर पाने की इच्छा थी।"

पापा ने एक गहरी साँस छोड़ी।

"हैरी मेरी बात पर भरोसा करो,

इस घर में खच्चर रखना संभव ही नहीं है।"

कुछ देर बाद रोज़ बुआ मिलने आईं।

मैंने उन्हें अपना ख़त दिखाया।

''बधाई हो हैरी,'' वे बोलीं,

''पता है मुझे भी हमेशा से

एक खच्चर की इच्छा थी।''

पापा ने अपना गला खंखारा।

''वैसे साइकिल भी बढ़िया है,''

उन्होंने जल्दी से जोड़ा।

तभी मुझे एक ख़याल सूझा।

''बुआ क्या मेरा खच्चर

आपके साथ रह सकता है?''

मैंने बुआ से पूछा।

''वह गर्ल का साथ देगा।''

गर्ल मेरी कुतिया है जो

मेरी बुआ के साथ रहती है।

रोज़ बुआ ने ना में सिर हिलाया।

''माफ़ करना हैरी,'' वे बोलीं,

''कुत्ता रखना एक बात है,

पर खच्चर तो अलग ही बात है।

और फिर इलाके के नियम भी तो हैं।''

अगले दिन मैंने स्कूल में

डॉरकस और एडी से इस मसले पर बात की।

हमने इलाके नियमों पर बात की,

“शायद इस नियम का मतलब यह हो,

कि खच्चर यहाँ

पूरे समय के लिए नहीं रह सकते,”

एडी ने कुछ देर सोचने के बाद कहा।

“अगर तुम्हारा खच्चर मेहमान

बन सिर्फ कुछ समय के लिए आए तो?”

“मेहमान बन कर?” मैंने पूछा।

“हाँ भई, वह पहले तुम्हारा मेहमान बने,

तब मेरा, तब डॉरकस का।

तब यही सिलसिला फिर से शुरु हो।”

“ख़याल तो उम्दा है,” डॉरकस ने कहा।

स्कूल के बाद उन्होंने अपने
माता-पिता से पूछा।

''कतई नहीं,'' एडी
की माँ ने उससे कहा।

''नहीं, नहीं, नहीं,'' डॉरकस के पापा ने कहा।

पर डॉरकस की बड़ी बहन सिल्विया ने
डॉरकस से कहा,
''अगर मैं कोई खच्चर जीतती,
तो मैं धंधा शुरू करती।''

''धंधा?'' मैंने डॉरकस के यह कहने पर पूछा।

''बेशक! सिल्विया कहती है कि तुम्हें
सबसे पहले धंधा करने का
लाइसेन्स ले लेना चाहिए।''

“एड़ी और मैं धंधे में

तुम्हारे साझेदार बन सकते हैं।

हम एक बोर्ड लगा सकते हैं, जिस पर लिखा होः
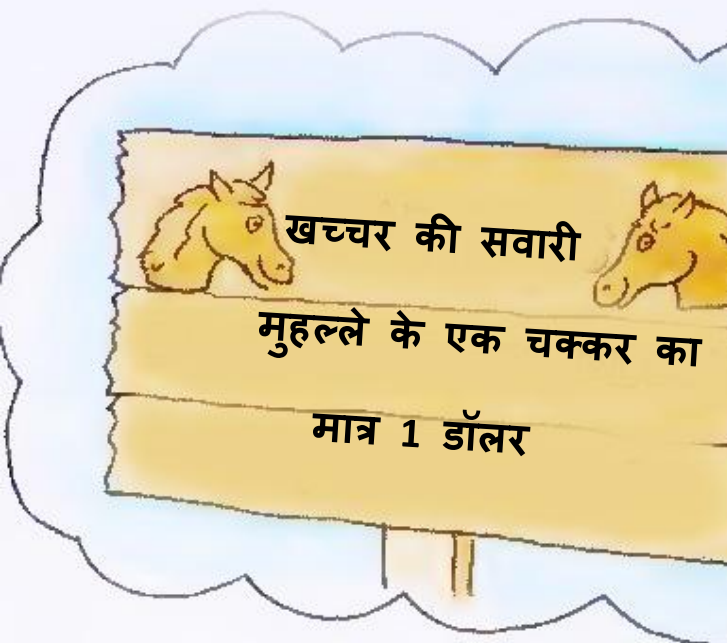
“हम फोटो भी खींच सकते हैं,

और उन्हें बेच सकते हैं,” एडी ने जोड़ा।

“मम्मियों और पापाओं को खच्चर पर सवार

अपने बच्चों के फोटो बेहद पसन्द आएंगे।”

“और वे काउबॉय के टोप पहने हो सकते हैं,”

मैंने उत्साह से कहा।

“मैं उन्हें अपने टोप किराए पर दे सकता हूँ।”

दरअसल पिछले साल

मेरे जन्मदिन की दावत के बाद

मेरे पास टोपों का अच्छा खासा संग्रह था।

“जब हम धंधे से काफ़ी पैसा कमा लेंगे,

हम एक गाड़ी खरीद लेंगे,” डॉरकस ने कहा।

“तब हम सालगिरह के जलसे कर

अमीर बन सकते हैं।”

उस शाम खाना खाने और रात की खबरों के बाद

मैंने पापा को हमारी योजना बताई।

"मैं जो पैसा कमाऊंगा,

उसे एक बचत खाते में डाल दूंगा,

अपनी कॉलेज की पढ़ाई के लिए,"

मैंने वादा किया।

मेरे पिता ने एक गहरी साँस छोड़ी।

"हैरी क्या तुम्हें अन्दाज़ भी है कि

एक खच्चर को रखने का कितना खर्चा आता है?"

"खच्चर सिर्फ घास ही नहीं चरता,

उसके लिए फूस और जई

और विटामिन ख़रीदने पड़ते हैं।

और कम्बल, ब्रुश, के साथ

काठी और लगाम भी।

और अगर खुदा-न-खास्ता

वह बीमार पड़ जाए तो,

पशु-चिकित्सक को बुलाना पड़ सकता है।

और वे मंहगे होते हैं।

और स्वस्थ खच्चर को भी टीके लगवाने पड़ते हैं,

और हर चन्द महीनों बाद
उनके खुरों की नाल बदलनी पड़ती है।"

पापा इतना सब कहने के बाद साँस लेने रुके।

मैं सोचने लगा, कि पापा खच्चरों के बारे में

इतना कुछ जानते भला कैसे हैं।

पापा ने आगे जोड़ा, ‘‘मेरा विश्वास करो हैरी,

तुम अगर अपनी साइकिल बेच दो

तो कहीं जल्दी अमीर बन सकते हो।’’

ज़रूर! मैंने सोचा।

पर तब मेरे खच्चर का क्या होगा?

‘‘मेरे पापा ने तो ना कह दिया,’’ मैंने डॉरकस

और एडी को अगले दिन स्कूल में बताया।

‘‘शायद मुझे गर्ल और अपने खच्चर के साथ

भाग जाना चाहिए।’’

‘‘तुम्हारा मतलब है, खच्चर पर सवार हो

निकल जाना चाहिए, है ना?’’

डॉरकस ने पूछा।

“पर तुम भाग कर जाओगे कहाँ?”

एडी ने सवाल किया।

तब मुझे अचानक एक ख़याल आया।

“ओकलेहोमा, नानी और नाना मरे के पास,

उनका मूंगफली का खेत है ना,” मैंने कहा।

“मेरी माँ जब मेरी उम्र की थीं

उनका एक घोड़ा था।”

हमने नक्शे में आकेलेहोमा को देखा।

“यह तो बड़ी दूर लगता है।

अगर तुम रास्ते में खो गए तो क्या होगा?”

एडी ने कहा।

''अगर तुम गिरफ्तार कर लिए गए तो?''

डॉरकस ने कहा। ''मेरे ख़याल से तो

राजमार्ग पर खच्चर की सवारी

करने की इजाज़त ही नहीं है।''

''फिर तो तुम्हें जेल में तब तक इन्तज़ार करना होगा

जब तक तुम्हारे पापा तुम्हें छुड़ाने नहीं आते।

तुम्हारे ख़च्चर का तो न जाने

क्या हाल होगा? बहुत ही डरावना है यह सब!''

मेरी आँखों में तो आँसू ही आ गए,

पर मैंने कोशिश की कि मैं अपनी पलक न झपकाऊँ।

मैं नहीं चाहता था कि कोई यह सोचे

कि मैं रो रहा हूँ।

स्कूल के बाद मैं जल्दी से

रोज़ बुआ के घर गया।

शुक्रवार को गर्ल को घुमाने की

मेरी बारी होती है।

बुआ के संगीत बैण्ड के साथी वहीं थे।

वे सब रिहर्सल करने आए थे।

अब रिहर्सल खत्म होने पर वे

अपना-अपना साज़ समेट रहे थे।

"हाय हैरी," कुछ ने कहा।

"बधाई हो!" दूसरों ने कहा।

"*माज़ेल तोव* !" हर्बर्ट ने कहा।

वह फ्रांसीसी भोंपू बजाता है।

"हर दिन किसी लड़के को खच्चर तो नहीं मिलता।"

"या साइकिल," ड्रम बजाने वाली ल्यूसिल कहती है।

इतना कह वे सब निकलने लगते हैं।

सिवा जंगली मैमी के,

जो क्लैरिनैट बजाती है, वह नहीं जाती।

न ही बुआ रोज़ या फूफा लीओ।

''चेहरे पर खुशी तो लाओ हैरी!

तुम कितने उदास लग रहे हो।

एक प्रतियोगिता जीतने वाले

तो तुम कतई नही लग रहे हो,''

लीओ फूफा ने कहा।

''लो बिस्कुट खाओ,'' रोज़ बुआ बोलीं।

''जंगली मैमी हमें एक

खच्चर फार्म के बारे में बता रही थीं।''

''खच्चरों का फार्म?'' मैंने अचरज से पूछा।

''रेड बार्न खच्चर फार्म,''

जंगली मैमी ने कहा।

''मैं वहाँ मदद करने जाती हूँ।''

वे बोलीं

''मेरी दुर्घटना हुई उसके पहले

मैं मेलों की प्रतियोगिताओं में

जंगली घोड़ों की सवारी किया करती थी।

इसीलिए तो मेरे नाम के आगे जंगली जुड़ा।

अब मैं विकलांग बच्चों को

खच्चरों की सवारी करना सिखाती हूँ,

और खच्चरों की देखभाल भी करती हूँ।

तुम्हारा खच्चर वहाँ सच में काम आएगा।''

मुझे यह सब सुन बड़ा ही अचरज हुआ।

खासकर जंगली मैमी के नाम की बात पर।

मैं तो हमेशा सोचता था

कि उनके नाम के आगे जंगली इसलिए जुड़ा

होगा, जिस तरह वे अपनी

पहिएदार कुर्सी चलाती हैं।

उन्होंने फार्म की कुछ फोटो निकाल

मुझे दिखाए।

मैंने उन्हें बड़े ध्यान से देखा।

उनमें बच्चे बेहद खुश लग रहे थे।

और खच्चर भी।

''बेशक, फैसला तुम पर है,''

जंगली मैमी ने जोड़ा।

''पर मुझे लगता है कि

तुम्हारे खच्चर को इससे बेहतर

घर मिल ही नहीं सकता।''

मैंने सभी फोटो फिर से देखे।

"तुम्हें अपना फैसला इसी वक्त

नहीं करना है" रोज़ बुआ ने कहा।

"अपना समय लो," फूफा लीओ बोले,

"अपने पापा से बात कर लो।

"सही है, जंगली मैमी ने कहा,

"अच्छे से सोच लो।

और अगर अपने खच्चर को इस

फार्म को देना हो, तो मुझे बताना

मैं सारी व्यवस्थाएं कर लूंगी।"

"जी, ज़रूर बताऊंगा," मैंने जवाब दिया।

मैंने गर्ल का पट्टा लिया

और उसे घुमाने निकल पड़ा।

"कम से कम मुझे यह तो पता होगा

कि मेरा खच्चर है कहाँ,

और यह भी कि उसे एक अच्छा घर मिला है,"

मैंने गर्ल को बताया।

"और उसे दूसरे खच्चरों का साथ भी मिलेगा।"

रात के खाने के बाद मैंने पापा से बात की।

"मुझे लगता है कि यह फार्म

और खच्चर, दोनों के लिए अच्छा होगा।

पर नई साइकिल भी अच्छी होती।

पर यह फैसला तुम पर है," पापाने कहा।

बाद में बिस्तर पर लेटे यह सब सोच रहा था,

फैसला लेने की कोशिश कर रहा था।

उस रात मैंने एक सपना देखा,

सपने में मैं एक काऊबॉय था।

मैं एक प्रतियोगिता में साइकिल चलाते हुए

एक खच्चर पर फंदा फेंक,

उसे पकड़ने की कोशिश कर रहा था।

खच्चर एक पहिएदार कुर्सी चला रहा था।

हर बार मैं उसे बस पकड़ने ही वाला होता,

कि मेरी साइकिल गिर जाती।

सुबह जब मेरी आँख खुली तो मैंने
खुद को फर्श पर पाया।
मंजन करते समय मैंने अपने खच्चर
के बारे में कुछ और सोचा।
''मैंने तय कर लिया है कि
मैं अपना खच्चर फार्म को दूंगा,''
मैंने नाश्ते के वक्त
पापा से कहा।

''क्या पक्का मन बना लिया है?'' उन्होंने पूछा।
''हाँ,'' मैंने जवाब दिया। ''तब कम से कम
मुझे पता तो होगा कि मेरा खच्चर कहाँ है,
और यह भी कि उसे अच्छा घर मिला है।
मुझे एक और साइकिल की ज़रूरत नहीं है।''
बाद में, मैंने जंगली मैमी को फोन कर बताया।
उन्होंने पापा से भी बात की।
उस रात उनका फोन आया।
''मैंने जैम पॉप्स वालों से
और फार्म से बात कर ली है।
खच्चर अगले सप्ताह फार्म पर पहुँचेगा।
रेड बार्न फार्म वाले चाहते हैं कि तुम भी वहाँ
अगले शुक्रवार को आओ
और उन्हें खच्चर भेंट करो।''

“मुझे लगता है कि तुमने

अच्छा फैसला लिया है,”

पापा ने मुझसे कहा।

मैं उम्मीद करता हूँ कि वे सही हैं।

क्योंकि अपना फैसला बदलने के लिए

अब बहुत देर हो चुकी है।
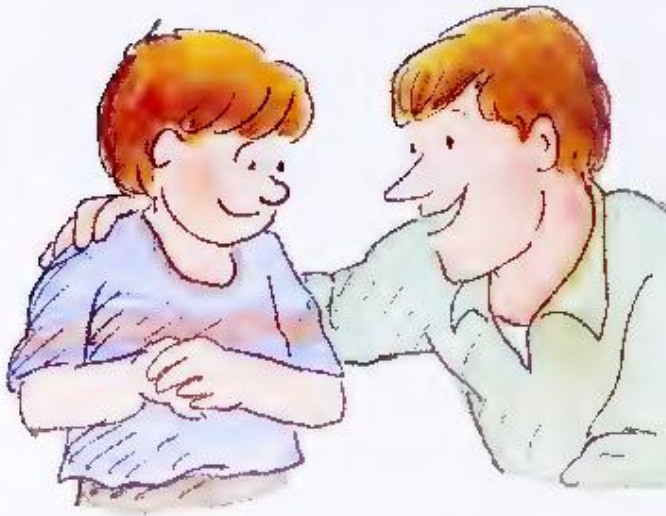
शुक्रवार को, भेंट समारोह वाले दिन

पापा मुझे स्कूल से कुछ जल्दी लेने आए।

उनके साथ रोज़ बुआ और लिओ फूफा भी थे।

मैंने गाड़ी में ही अपने कपड़े बदले।

मैंने अपने काऊबॉय जूते पहने

और काऊबॉय टोप भी।

मैंने उसे अपनी ठुड्डी के नीचे ठीक से बांधा।

मैंने उम्मीद की कि हवा बहुत तेज़ न हो।

जब हम फार्म पर पहुँचे

मेरा खच्चर आ चुका था,

और जंगल मैमी भी।

उन्होंने मुझे एक गाजर दिया।

"इसे अपनी सपाट हथेली पर रखो,

और खच्चर को
इसे खिलाते वक्त हिलाना मत।"
मैंने ठीक यही किया।

मेरे खच्चर ने गाजर खा ली,

तब मेरे टोप को कुतरने की कोशिश की।

मुझे लगता है कि वह मुझे पसन्द करता है।
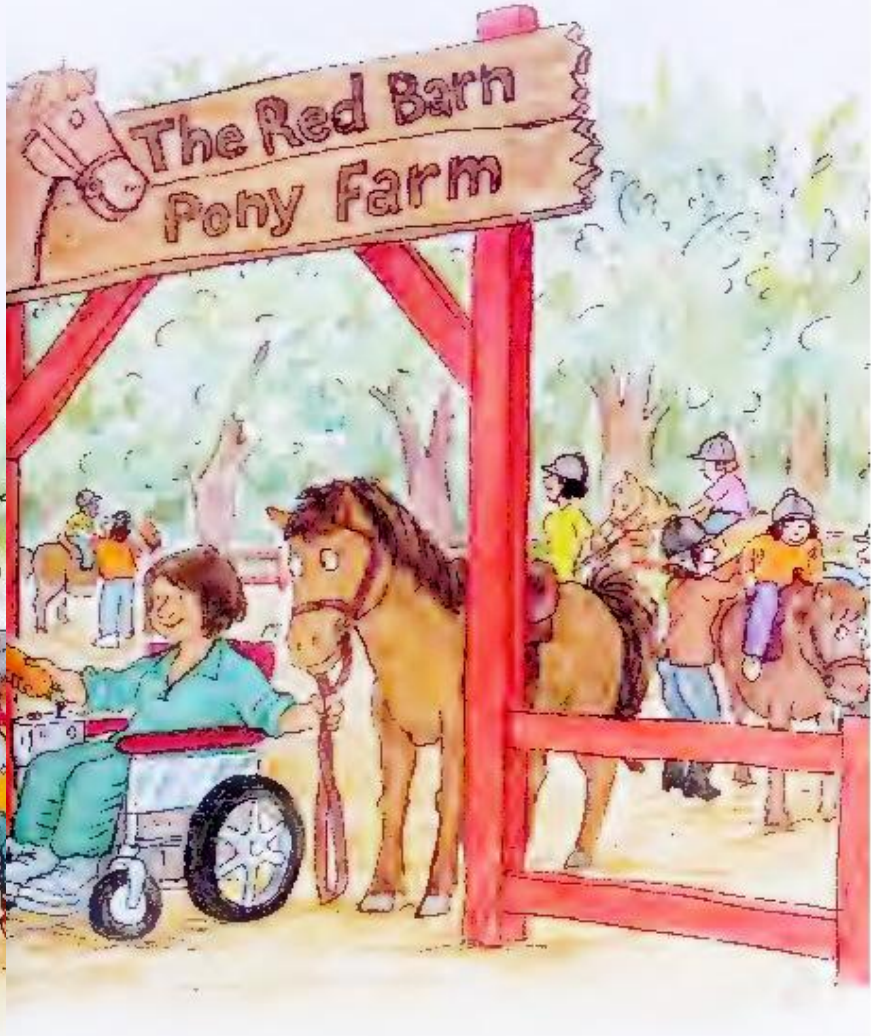
जल्दी ही एक बड़ी गाड़ी वहाँ आई।

जैम पॉप्स की एक महिला उससे उतरी।

पापा और मैंने कुछ कागज़ों पर दस्तख़त किए,

उनमें लिखा था कि खच्चर अब मेरा है।

अखब़ार का एक ख़बरनवीस और

एक फोटोग्राफर भी वहाँ थे।

उन्होंने फोटो खीचे और सवाल पूछे।

मैंने उन्हें इलाके के नियमों के बारे में बताया।

“खैर, वैसे भी एक खच्चर के लिए एक फार्म

घर के पिछवाड़े से बेहतर है,” मैंने उनसे कहा।

तब भेंट समारोह का समय आया।

मैंने अपने खच्चर की लगाम पकड़ी।

रेड बार्न की प्रधान ने अपनी छड़ी की टेक लिए

एक छोटा भाषण दिया।

“मैं सभी बच्चों, उनके माता-पिता

और रेड बार्न के कार्यकर्ताओं की ओर से

तुम्हें शुक्रिया अदा करती हूँ,”

और उन्होंने तब जा कर जोड़ा,

“तुम जब तुम्हारा मन करे यहाँ

आ सकते हो।”

“शुक्रिया मैं आऊंगा,” मैंने उनसे कहा।

तब मैंने अपने खच्चर की लगाम

सिंडी नाम की एक छोटी-सी लड़की को थमाई,

जो मेरे पास ही खड़ी थी।

उसने मुझे एक ट्रोफी पकड़ाई

ट्रोफी पर एक खच्चर की मूरत थी।

बस उसी समय हवा का

एक तेज झोंका आया,

मेरा टोप खुल गया।

मैंने एक हाथ उठा उसे पकड़ा।

सबने तालियाँ बजाईं।

"शुक्रिया मैंने कहा

घर लौटते समय गाड़ी में

मैं अपनी ट्रोफी को गोद में रखे बैठा रहा।

उसके नीचे लिखा हुआ थाः

हैरी मॉस्कोवित्ज़
रेड बार्न खच्चर फार्म
का मित्र

मैंने अपनी ट्रोफी को अपने कमरे रख दिया

अपने काउबॉय टोपों के संग्रह के पास।

अगले दिन

अख़बार में एक चित्र छपा था,

जिसमें सिंडी, मैं और मेरा खच्चर था।

मैंने उसे काटा और

अपने परिवार के एल्बम में उसे चिपका दिया।

कौन जाने? मैंने खुद से कहा

अगली प्रतियोगिता में मैं शायद

रोलरब्लेडस् की एक जोड़ी जीत लूं।

वह ज़्यादा आसान होगा।

बाद में मैं अपनी साइकिल से

रोज़ बुआ के घर गया।

गर्ल बाहर बगीचे में थी।

मैंने उसे भेंट समारोह के बारे में बताया।

"सब ठीक रहा," मैंने कहा,

"रेड बार्न फार्म में अब एक नया खच्चर है,

और खच्चर को भी एक अच्छा घर मिल गया है।

मेरे पास एक ट्रोफी है, और

मेरा टोप भी नहीं उड़ा।"

गर्ल भौंकने लगी,

माने उसे यह सब सुन

खुशी हुई हो।

“अरे यह शोरगुल कैसा?”

रोज़ बुआ ने दरवाज़े पर आकर कहा।

“ओह, तुम हो हैरी।

अन्दर आ जाओ। मैंने अभी-अभी

जई के बिस्किट बनाए हैं।”

मैं उनके पीछे कुछ बिस्किट खाने गया।

और गर्ल मेरे पीछे हो ली।